

फार्मा से फूड प्रोसेसिंग और बायोप्लास्टिक तक क्षेत्र-विशिष्ट पार्कों से बड़ेगा औद्योगिक निवेश

पीलीभीत के भरा पचपेड़ा औद्योगिक क्षेत्र से ऑटो और ऑटो-कंपोनेंट निवेश आकर्षित करने पर जोर: यूपीसीडा एसीईओ दीक्षा जैन

55,000 एकड़ से अधिक का औद्योगिक लैंड बैंक, नए औद्योगिक क्षेत्र और क्षेत्र-विशिष्ट पार्क यूपी के विनिर्माण विस्तार को देंगे गति: यूपीसीडा की एसीईओ दीक्षा जैन

लखनऊ, 8 अक्टूबर: उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के औद्योगिक क्षेत्रों में फैक्ट्री पंजीकरण पिछले तीन वर्षों में दोगुने से अधिक हो गए हैं। वर्ष 2022-23 में करीब **1,400 पंजीकरण** की तुलना में 2025-26 में यह संख्या बढ़कर लगभग **3,300** हो गई। औद्योगिक गतिविधियों से अब तक **50,000 से अधिक रोजगार** सृजित हुए हैं। यह वृद्धि प्रदेश में विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार और तैयार औद्योगिक बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग को दर्शाती है, यह जानकारी यूपीसीडा की एसीईओ **दीक्षा जैन** ने दी।

NCR से बुंदेलखंड और पूर्वी यूपी तक यूपीसीडा का औद्योगिक विस्तार

यूपीसीडा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) से आगे बढ़ते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में अपनी औद्योगिक मौजूदगी मजबूत कर रहा है। गोरखपुर, संत कबीर नगर और ललितपुर में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। ललितपुर में एक समर्पित **फार्मास्युटिकल पार्क** भी विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, यूपीसीडा बोर्ड ने एक्सप्रेसवे और प्रमुख राजमार्गों के आसपास रणनीतिक रूप से करीब **पांच नए औद्योगिक क्षेत्रों** को मंजूरी दी है, जिससे उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके।

इस विस्तार को प्रदेश में **55,000 एकड़ से अधिक के औद्योगिक लैंड बैंक** का समर्थन प्राप्त है। इसमें करीब **2,000 एकड़ विकसित भूमि** वर्तमान में औद्योगिक उपयोग के लिए उपलब्ध है। नए औद्योगिक क्षेत्रों के साथ पुराने औद्योगिक एस्टेट में भी सड़क, जल निकासी और अन्य जरूरी सुविधाओं को बेहतर किया जा रहा है।

“उद्योगों के लिए केवल जमीन पर्याप्त नहीं है। उन्हें भरोसेमंद बुनियादी ढांचा, बेहतर कनेक्टिविटी और अनुकूल औद्योगिक इकोसिस्टम चाहिए। हमारा फोकस प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ भूमि आवंटन और स्वीकृति प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाना है,” **यूपीसीडा की एसीईओ दीक्षा जैन** ने कहा।

फार्मा, ऑटो, फूड प्रोसेसिंग और बायोप्लास्टिक के लिए सेक्टर-विशिष्ट पार्क

यूपीसीडा अब सेक्टर-विशिष्ट औद्योगिक विकास पर भी जोर दे रहा है। **ललितपुर फार्मा पार्क** में विशेषीकृत बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है, ताकि बड़ी फार्मा कंपनियों को आकर्षित कर समर्पित विनिर्माण इकोसिस्टम तैयार किया जा सके।

पीलीभीत के भरा पचपेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में ऑटो और ऑटो-कंपोनेंट उद्योग की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह क्षेत्र **पंतनगर के SIDCUL औद्योगिक क्षेत्र** के निकट है, जहां प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता और उनके सप्लायर मौजूद हैं। यूपीसीडा इस भौगोलिक निकटता का लाभ उठाकर ऑटो-कंपोनेंट और विनिर्माण निवेश आकर्षित करने की दिशा में काम कर रहा है।

फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने के लिए **बहेड़ी फूड पार्क** विकसित किया जा रहा है, जबकि **लखीमपुर खीरी के कुंभी में बायोप्लास्टिक पार्क** स्थापित किया जा रहा है।

यूपीसीडा निवेशकों को तैयार भूमि उपलब्ध कराने के लिए के साथ समन्वय कर रहा है और बड़े पैमाने पर भूमि आवंटन की प्रक्रिया को तेज कर रहा है। पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए **ERP सिस्टम, AI आधारित एनालिटिक्स, ड्रोन मॉनिटरिंग, ऑनलाइन नीलामी और 'वन मैप' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म** जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** के उत्तर प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन के अनुरूप यूपीसीडा प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक क्षेत्रों, आधुनिक बुनियादी ढांचे और निवेशक-अनुकूल सेवाओं का विस्तार कर रहा है। इससे प्रदेश में नए निवेश, रोजगार और विनिर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी तथा विभिन्न क्षेत्रों में संतुलित औद्योगिक विकास को मजबूती मिलेगी।
